

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
02.04.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 5072 का उत्तर

रेलवे में सौर ऊर्जा का उपयोग

5072. श्री नरेश गणपत म्हस्के:

श्रीमती शांभवी:

श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) वर्ष 2020 से अब तक सौर पैनलों से लैस रेलवे स्टेशनों और रेलगाड़ियों के डिब्बों का राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) सरकार द्वारा रेलवे में ऊर्जा दक्षता प्राप्त करने के लिए उक्त क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु की गई पहलों का ब्यौरा क्या है;
- (ग) रेलगाड़ियों के डिब्बों और रेलवे स्टेशनों पर सौर ऊर्जा को अपनाने में तेजी लाने हेतु पता लगाए जा रहे सरकारी-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडलों का ब्यौरा क्या है;
- (घ) सरकार के समक्ष सभी रेलवे स्टेशनों और रेलगाड़ियों के डिब्बों में सौर ऊर्जा समाधानों के कार्यान्वयन में आ रही चुनौतियों का ब्यौरा क्या है और इनसे निपटने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
- (ङ) क्या सरकार के पास सौर ऊर्जा के बढ़ते उपयोग के माध्यम से रेलवे को होने वाली अनुमानित दीर्घकालिक वित्तीय बचत के संबंध में आंकड़े हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
- (च) क्या सरकार के पास रेलवे को और अधिक नवीकरणीय ऊर्जा आधारित प्रणाली में परिवर्तित करने हेतु विस्तृत योजनाएं/रूपरेखा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): भारतीय रेल सरकारी नीतियों के अनुसार नवीनीकरणीय ऊर्जा, पर्यावरणीय संधारणीयता और दीर्घकालिक वित्तीय बचत को बढ़ावा देने के लिए सौर ऊर्जा के प्रसार के लिए सभी प्रयास कर रही है। नवीनीकरणीय ऊर्जा में पारगमन एक सतत् प्रक्रिया है।

भारतीय रेल ने चौबीस घंटे बिजली के लिए विभिन्न बिजली प्रापण माध्यमों से नवीकरणीय ऊर्जा की उत्तरोत्तर खरीद की योजना बनाई है, जो नवीकरणीय ऊर्जा के लिए हाइब्रिड समाधान है जिसमें सौर और पवन ऊर्जा आदि शामिल हैं। सौर संयंत्रों की स्थापना का अधिकांश कार्य रेलवे द्वारा डेवलपर मोड के तहत बिजली खरीद समझौते के माध्यम से किया जाता है।

सौर ऊर्जा के प्रसार के कार्यान्वयन के दौरान रेलवे को विनियामक बाधाओं, बिजली निकासी और कनेक्टिविटी संबंधी समस्याओं जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इन मुद्दों से निपटने के लिए राज्य सरकारों और ट्रांसमिशन यूटिलिटीज से नियमित आधार पर संपर्क किया गया।

अब तक देश भर में, 2249 रेलवे स्टेशनों और सेवा भवनों पर 209 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। राज्य-वार और वर्ष-वार विवरण निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	राज्य	सौर ऊर्जा संयंत्रों से लैस रेलवे स्टेशन (अदद)		
		2014-15 से 2019-20 तक	2020-21 से फरवरी, 2025 तक	संचयी फरवरी 2025, तक
1	राजस्थान	73	200	275
2	महाराष्ट्र	43	213	270
3	पश्चिम बंगाल	12	222	237
4	उत्तर प्रदेश	78	93	204
5	आंध्र प्रदेश	33	126	198
6	कर्नाटक	86	60	146
7	मध्य प्रदेश	49	74	134
8	ओडिशा	30	103	133
9	गुजरात	11	96	112
10	तेलंगाना	35	60	95
11	बिहार	25	42	81
12	असम	27	48	78
13	तमिलनाडु	42	31	73
14	झारखंड	10	35	47
15	हरियाणा	9	23	36
16	पंजाब	19	11	30
17	उत्तराखंड	1	17	18

18	हिमाचल प्रदेश	1	16	17
19	त्रिपुरा	15	1	16
20	छत्तीसगढ़	10	5	16
21	केरल	12	1	13
22	दिल्ली	4	3	8
23	जम्मू और कश्मीर	2	4	6
24	नागालैंड	0	2	2
25	मेघालय	0	1	1
26	मणिपुर	0	1	1
27	चंडीगढ़	0	1	1
28	पुडुचेरी	1	0	1
	कुल	628	1489	2249
